We deeply mourn the passing away of Maulana Habibur Rahman Nomani.

I request Members to rise in their places and observe silence as a mark of respect to the memory of the departed.

*(Hon. Members then stood in silence for one minute)*

MR. CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the members of the bereaved family our deep sense of sorrow and sympathy.

---

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में तारामंडल

*341. **श्री उदय प्रताप सिंह:** क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक तारामंडल स्थापित किए जाने का प्रस्ताव भेजा है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कपिल सिब्बल):** (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**विवरण**

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने की मंत्रालय की कोई योजना नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

### Planetarium in Rampur district of Uttar Pradesh

†*341. SHRI UDAY PRATAP SINGH: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether the State Government of Uttar Pradesh has sent a proposal for establishing a planetarium in Rampur district of Uttar Pradesh; and

(b) if so, action taken by Government in this regard?

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI KAPIL SIBAL): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

***Statement***

(a) The proposal prepared by the State Government of Uttar Pradesh has not been received by the Ministry of Science & Technology. The Ministry has no scheme to support such projects.

(b) Does not arise.

**श्री उदय प्रताप सिंह:** माननीय सभापति जी, मेरी सूचना यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 28.12.2004 को एक पत्र संख्या 2685/45 विज्ञान 2004-7(8) भेजा है, जिसमें यह कहा गया था कि रामपुर में 13.44 करोड़ रुपए की लागत से एक प्लेनेटेरियम लगाने की योजना थी। इसके उत्तर में माननीय मंत्री जी ने जवाब में कहा है कि "The Proposal prepared by the State Government of Uttar Pradesh was not been received by the Ministry of Science & Technology." इसके जवाब में मैं यही कह सकता हूं कि मैं उस पत्र की कॉपी लेकर दोबारा सदन में उपस्थित होउंगा। वैसे मैंने आपको पत्र संख्या बता दी है। दूसरे सवाल के उत्तर में माननीय मंत्री जी ने कहा है कि ''प्रश्न नहीं उठता'', लेकिन इससे कई प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। एक प्रश्न तो उठ खड़ा हुआ कि बड़े शहरों में, कोलकाता और मुम्बई में, यह पहले से था, लेकिन अभी हाल में केन्द्र सरकार की मदद से हैदराबाद और जयपुर में तारामंडल बने हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि मंत्रालय की रामपुर में इसे न बनाने की या यह कहना का सवाल पैदा नहीं होता, इस सवाल का क्या उत्तर है?

**श्री सभापति:** अभी तो आपका प्रस्ताव ही नहीं है, तो ये क्या करेंगे? राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव ही नहीं आया है।

**श्री उदय प्रताप सिंह:** वह तो मैं दे रहा हूं।

**श्री सभापति:** वह पहले दे दीजिए।

**श्री उदय प्रताप सिंह:** लेकिन यह तो कहा जा सकता है, इन्होंने जो दूसरे प्रश्न का उत्तर दिया है, उसका दूसरा हिस्सा यह है कि the Ministry has no scheme to support such projects, whereas the Ministry has supported such projects in other States. That is my question, Sir.

**श्री सभापति:** आप क्यों इतनी पैरवी कर रहे हैं, तारामंडल में राहु, केतु, शनि, सब होंगे?

**श्री उदय प्रताप सिंह:** सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह दोहरी नीति क्यों है?

**श्री सभापति:** ठीक है।

**श्री कपिल सिब्बल:** सर, कोई दोहरी नीति नहीं है शायद माननीय सदस्य ने आपको यह नहीं बताया कि इस संबंध में किस मंत्रालय को चिट्ठी लिखी। यह जो प्लेनेटेरियम बनाने का मामला है, यह साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्रालय से संबंधित नहीं है। मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर प्लेनेटेरियम बनाती है। मुझे यह मालूम नहीं कि माननीय सदस्य ने या सरकार ने कहाँ से और किसे चिट्ठी लिखी। इसलिए यह हमारे पास नहीं है। मैं इन्हें यह भी बताना चाहता हूं कि हमारे साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्रालय में कोई दोहरी नीति नहीं है। अगर कोई भी मंत्रालय चाहेगा कि साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्रालय की ओर से हम प्लेनेटेरियम बनाने में मदद करें, तो हम जरूर मदद करेंगे।

**श्री सभापति:** नेक्स्ट क्वेश्चन, 342.

## Expansion of UN Security Council

*342. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of EXTERNALAFFAIRS be pleased to state:

(a) the latest position in relation to the expansion of the UN Security Council;

(b) whether Government have been assured of full support from the P-5;

(c) whether Government have been able to muster support in relation to this in the UN General Assembly; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI RAO INDERJIT SINGH): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

### *Statement*

(a) to (d) Government of India believes that no reform of the UN will be complete without the reform and expansion of the UN Security Council. The Security Council must, in its composition, reflect contemporary geo-political realities and not those of 1945; its actions must be representative, legitimate and effective and its methods of work and decision making process more democratic, transparent and responsive. To reflect the